रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 106] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 12, 2001/चैत्र 22, 1923
No. 106] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 12, 2001/CHAITRA 22, 1923

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2001

निधन सूचना

सं. 3/3/2001-पब्लिक.—चौधरी देवी लाल का 6 अप्रैल, 2001 को नई दिल्ली में निधन हो गया। चौधरी देवी लाल के निधन से देश ने एक अनुभवी संसदविद्, स्वतंत्रता सेनानी तथा सम्मानित किसान नेता खो दिया है।

2. उनका जन्म 25 सितम्बर, 1914 को हरियाणा के सिरसा जिला के गांव चौटाला में हुआ। उन्होंने मोगा के देव समाज हाई स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। जब वे दसवीं कक्षा में पढ़ रहे थे, गांधी जी के आह्वान पर 1929 में 15 साल की उम्र में स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। उन्होंने सिविल अवज्ञा तथा भारत छोड़ो आन्दोलनों में भाग लिया।

3. चौधरी देवी लाल पहले-पहल 1946 में किसान आन्दोलन से जुड़े जब उन्होंने भूमिहीन किसानों के आंदोलन में भाग लिया। वे 1958 में पंजाब प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष रहे और 1952 से 1962 तक राज्य की विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होंने 1972 में किसान आंदोलन तथा 1985 में "हरियाणा बचाओ" आंदोलन का नेतृत्व किया। वे 1974, 1977, 1982, 1985 तथा 1987 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वे 1977 से 1980 तक तथा 1987 से 1989 तक दो बार हरियाणा के मुख्य मंत्री रहे।

4. चौधरी देवी लाल 1980 में लोक सभा के लिए चुने गए और 1989 में पुन: लोक सभा के लिए चुने गए और उन्हें राष्ट्रीय मोर्चा सरकार में उप-प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया। वे 1990 में जनता दल (सेकुलर) तथा 1988—1990 के दौरान जनता दल संसदीय बोर्ड और 1991—1995 के दौरान समाजवादी जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे। 1998 में वे हरियाणा से राज्य सभा के लिए चुने गए।

5. चौधरी देवी लाल ने ग्रामीण विकास तथा किसानों एवं ग्रामीणों के कल्याण में गहरी रुचि ली।

6. चौधरी देवी लाल अपने पीछे तीन पुत्र छोड़ गए हैं जिनमें से सबसे बड़े पुत्र श्री ओम प्रकाश चौटाला इस समय हरियाणा के मुख्य मंत्री हैं।

कमल पाण्डे, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th April, 2001

OBITUARY

No. 3/3/2001-Public.—Chaudhary Devi Lal passed away on 6th April, 2001 at New Delhi. The death of Chaudhary Devi Lal has deprived the country of a seasoned parliamentarian, a veteran freedom fighter and a respected Kisan leader.

2. Born in Chautala Village in Sirsa District of Haryana on 25th September, 1914, he received his education from Dev Samaj High School, Moga. He joined the freedom struggle in 1929 at the age of 15, while studying in Class X. at the call of Gandhiji. He participated in the Civil Disobedience and Quit India Movements.

3. Chaudhary Devi Lal's first stint with the peasants movement came in 1946 when he took part in the agitation for landless farmers. He was the President of the Punjab Pradesh Congress Committee in 1958 and member of the State Legislative Assembly from 1952 to 1962. He led the Kisan movement in 1972 and 'Haryana Bachao' agitation in 1985. He was elected as Member of the Haryana Legislative Assembly in 1974, 1977, 1982, 1985 and 1987. He served as Chief Minister of Haryana for two terms from 1977 to 1980 and 1987 to 1989.

4. Chaudhary Devi Lal was elected to the Lok Sabha in 1980 and was re-elected in1989 when he was appointed as the Deputy Prime Minister in the National Front Government. He was the President of the Janta Dal (Secular) in 1990 of the Janata Dal Parliamentary Board from 1988—1990 and of the Samajwadi Janata Party from 1991—1995. He was elected to the Rajya Sabha from Haryana in 1998.

5. Chaudhary Devi Lal took keen interest in rural development and in the welfare of farmers and villagers.

6. Chaudhary Devi Lal is survived by three sons the eldest of whom is Shri Om Parkash Chautala, presently Chief Minister of Haryana.

KAMAL PANDE, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.